भारत सरकार

भारी उद्योग मंत्रालय

राज्यसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2318

08.08.2025 को उत्तर के लिए नियत

पूंजीगत वस्तु क्षेत्र के उत्पादन में वृद्धि

2318 **डा. कविता पाटीदार:**

क्या **भारी उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2020-21 से पूंजीगत वस्तु क्षेत्र के उत्पादन में कितनी वृद्धि हुई है;

(ख) भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पूंजीगत वस्तु उद्योग का कितना प्रतिशत हिस्सा है;

(ग) क्या सरकार ने भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने की योजना के अंतर्गत कोई परियोजना स्वीकृत की है; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

भारी उद्योग राज्य मंत्री

(श्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा

(क): 2020-21 से पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में उत्पादन में निम्नानुसार वृद्धि हुई है:

(रुपये करोड़ में)

क्र.सं.	**पूंजीगत वस्तुओं का उप-क्षेत्र**	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**	**2024-25***
1	मशीन टूल्स-उत्पादन	6602	9307	11956	13571	14286
2	डाई, मोल्ड और प्रेस उपकरण	12294	13128	13915	15600	18400
3	वस्त्र मशीनरी	5093	11658	14033	14639	10461
4	मुद्रण मशीनरी-उत्पादन	10058	13215	16107	23479	29716
5	अर्थमूविंग और माइनिंग मशीनरी	29021	28674	37551	73000	80750
6	प्लास्टिक प्रसंस्करण मशीनरी- उत्पादन	3710	3850	3912	4310	4827
7	खाद्य प्रसंस्करण मशीनरी	10250	12210	13203	13863	15249
8	प्रक्रिया संयंत्र उपकरण	21938	24000	23415	27396	31505
9	भारी विद्युत उपकरण	167706	219158	258832	302900	372200

* वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अनुमानित आंकड़े

स्रोत: उद्योग संघ अर्थात् आईईईएमए, आईएमटीएमए, टीएजीएमए, एएफटीपीएआई, पीएमएमएआई, पीपीएमएआई, टीएमएमए, आईसीईएमए और आईपीएएमए

(ख): वर्तमान अनुमान के अनुसार, पूंजीगत वस्तु उद्योग देश के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 1.9% का योगदान देता है।

(ग) और (घ): 25 जनवरी, 2022 को भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) ने 975 करोड़ रुपये के बजटीय समर्थन और 232 करोड़ रुपये के उद्योग योगदान के साथ 1207 करोड़ रुपये के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ सामान्य प्रौद्योगिकी विकास और सेवा अवसंरचना को सहायता प्रदान करने के लिए "भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने की स्कीम- चरण- II" शुरू की। इस स्कीम के अंतर्गत कुल 33 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन 33 परियोजनाओं में 9 उत्कृष्टता केंद्र (सीओई), 5 सामान्य इंजीनियरिंग सुविधा केंद्र (सीईएफसी), 7 परीक्षण और प्रमाणन केंद्र, प्रौद्योगिकी विकास के लिए 9 उद्योग त्वरक और कौशल स्तर 6 तथा उससे ऊपर के लिए अर्हता पैक (क्यूपी) के निर्माण के लिए 3 परियोजनाएं शामिल हैं।